नईदुनिया

रिलायंस ने ग्राहकों के लिए नई सुविधाओं के साथ जियो फाइनेंस ऐप किया लॉन्च

नई दिल्ली।
मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने फाइनेंशियल मार्केट में हिस्सेदारी पाने के लिए बड़ा दांव लगाया है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का जियो फाइनेंस ऐप का नया उन्नत संस्करण लॉन्च

आरआईएल की फाइनेंसियल कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने नवरात्रि में जियो फाइनेंस ऐप का नया उन्नत संस्करण लॉन्च किया है। ऐप के जरिए ग्राहकों के विभिन्न बैंक खातों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को लिंक किया जा सकता है।

कंपनी ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि पहले से बेहतर वित्तीय सर्विस देने के लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपना पूर्णतया विकसित जियो फाइनेंस ऐप को लॉन्च किया है। जेएफएसएल ने इसका बीटा वर्जन 4 महीने पहले 30 मई, 2024 को लॉन्च किया था, तब से अबतक इसे 60 लाख उपभोक्ताओं ने डाउनलोड किया है। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और माईजियो से डाउनलोड किया जा सकता है।

जेएफएसएल के मुताबिक जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) में करीब 15 लाख ग्राहक अपना सेविंग अकाउंट (बचत खाता) खुलवा चुके हैं। इस बैंक में बचत खाता सिर्फ 5 मिनट में डिजिटल तरीके से खोला जा सकता है। बचत खाते के साथ डेबिट कार्ड भी मिलेगा और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के कारण बचत खाता अधिक सुरक्षित भी होगा। इसके अतिरिक्त, यूपीआई पेमेंट, मोबाइल रिचार्ज और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान जैसी सेवाएं भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी। इस ऐप के जरिए कंपनी लाइफ, हेल्थ, टू-व्हीलर, मोटर इंश्योरेंस डिजिटली ऑफर कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

टीसीएस की कमाई घटी- खर्चा बढा

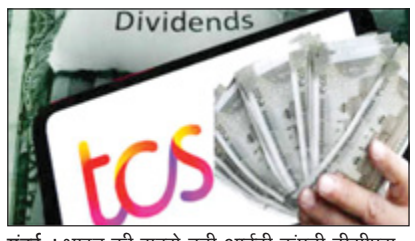

मुंबई । भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को जुलाई से सितंबर माह की तिमाही में 11909 करोड रुपए का मुनाफा हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में यह पांच फ़ीसदी ज्यादा है। पिछली तिमाही में कंपनी की आय 7.65 फ़ीसदी की दर से बढी थी। जो इस तिमाही में 0.36 फ़ीसदी घट गई है। इस तिमाही में कंपनी का खर्च 8 फ़ीसदी बढ़ गया है। खर्च की तुलना में कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। टीसीएस के बोर्ड ने शेयर धारकों के लिए 10 रूपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड की मंजूरी दी है। इसका भुगतान 5 नवंबर को किया जाएगा। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पिछले साल की तुलना में 11 फ़ीसदी ज्यादा डिविडेंड दिया है। पिछले साल 9 रूपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया गया था।

भारत डीपीआई के उपयोग से जुड़े अपने अनुभव आसियान देशों से साझा करेगा

विएंतियान। भारत आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) के इस्तेमाल से जुड़े अपने अनुभव और ज्ञान को आसियान देशों के साथ साझा करेगा। एक संयुक्त वक्तव्य में हाल ही में यह जानकारी दी गई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन में विविध चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोग की संभावना भी तलाशी जाएगी। विएंतियान में आयोजित 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों पक्षों ने कहा कि वे नवाचारी डिजिटल समाधानों के जरिये आसियान और भारत में भुगतान प्रणालियों के बीच सीमापार संबंधों के सहयोग की संभावना तलाशेंगे। दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर एक संयुक्त बयान भी जारी किया।बयान में क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा, समुद्री परिवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा समुद्र के अन्य वैध उपयोगों को बनाए रखने और बढ़ावा देने के महत्व की पुष्टि की गई। इसमें निर्बाध वैध समुद्री वाणिज्य और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना शामिल है।

ड्रैगन पर शिकंजा! अब सरकार जब्त करेगी 252 करोड़, 10 गुना जुर्माना भी, कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी

नई दिल्ली । चालाक चीन ने अपने देश की कंपनियों पर सरकार की नजर टेढ़ी होने पर भारत में कारोबार करने का दूसरा रास्ता तलाश लिया। अब वह दूसरे देशों की कंपनियां अपने कंट्रोल में लेकर देश में कारोबार चला रहा था, लेकिन खुलासा होते ही सरकार ने उस पर शिकंजा कस दिया। अब न सिर्फ इस कंपनी के 252 करोड़ रुपये जब्त किए जाएंगे, बल्कि इसका 10 गुना जुर्माना भी वसूला जाएगा। यह कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया है कि चीनी व्यक्तियों के नियंत्रण वाली नॉर्वे की कंपनी की भारतीय इकाई से 252 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की जाएगी। यह आदेश कर्ज देने के अवैध तरीके से काम करने वाले मोबाइल ऐप कैशबीन के खिलाफ फेमा जांच के तहत दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि 7 अक्टूबर को पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (पीसीएफएस) के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत आदेश जारी किया गया था। जब्ती के साथ ही कंपनी पर 2,146 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना भी लगाया गया है। ईडी ने बताया कि पीसीएफएस नॉर्वे स्थित ओपेरा ग्रुप की सहायक कंपनी है। इसका नियंत्रण चीनी मालिकों के पास है। यह अपने मोबाइल ऐप कैशबीन के जरिये भारत में लोगों को पैसा उधार देने के कारोबार में शामिल है। जांच एजेंसी के अनुसार, पीसीएफएस ने अपने संबंधित विदेशी समूह की कंपनियों को सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सेवाओं के आयात की आड़ में 429.30 करोड़ रुपये भेजे, जो फर्जी पाया गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2022 में पाया था कि पीसीएफएस कर्ज लेने वालों से 'गैर-पारदर्शी' तरीके से अत्याधिक ब्याज दर और अन्य शुल्क वसूल रही थी. साथ ही कर्ज लेने वालों से वसूली को लेकर आरबीआई और सीबीआई के प्रतीक चिन्ह का गलत रूप से उपयोग कर रही थी, जो निष्पक्ष व्यवहार संहिता का उल्लंघन है।

त्योहारी सीजन में मसालों की कीमत में उतार-चढ़ाव, जीरे में तेजी आई तो हल्दी पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली।

सर्दी का सीजन शुरू होने के पहले मसाले की कीमत में काफी उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। जीरे के भाव में तेजी आई है, वहीं लगभग एक महीने की तेजी के बाद हल्दी पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। जबकि रबर भी सात साल के शिखर से फिसल कर गिरावट का शिकार हो गया है, इसी तरह धनिया में कमजोरी दर्ज की गई है।

नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर जीरे का अक्टूबर वायदा 9 दिनों के ऊंचाई पर पहुंच गया है। सितंबर में भी जीरे की कीमत में लगातार तेजी बनी हुई थी। अब अक्टूबर के महीने में भी जीरा तेजी दिखा रहा है। एनसीडीईएक्स की चाल पर अगर नजर डालें तो पिछले एक हफ्ते के दौरान जीरा करीब 1 प्रतिशत तक उछल गया है। वहीं पिछले एक महीने के दौरान जीरे के भाव में 5 प्रतिशत तक की तेजी आ गई है। हालांकि अगर 1 साल की अवधि की बात करें, तो पिछले साल अक्टूबर की तुलना में अभी तक जीरे के भाव में 45 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है।

जानकारों का कहना है कि बाजार में जीरे की मांग में लगातार बढ़ोतरी हुई है। इस साल देश में जीरे की बुवाई भी कम हुई है, जिसके कारण बाजार को इस साल जीरे के उत्पादन में कमी आने की आशंका है। इसके साथ ही थोक बाजार में जीरे की आवक भी कम हो रही है। हालांकि इसकी मांग में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि ठंड की शुरुआत के पहले मांग में थोड़ी बढ़ोतरी ही हुई है। मांग की तुलना में आवक कम होने के कारण जीरे की कीमत को लगातार सपोर्ट मिल रहा है। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट अजय श्रीवास्तव का कहना है कि जीरे के उत्पादन में कमी आने की आशंका लगातार बनी हुई है। इस वजह से अगले एक से डेढ़ महीने में ही यानी नवंबर के अंत तक ही जीरा पिछले साल की ऊंचाई पर पहुंच सकता है।

जीरा के विपरीत हल्दी का अक्टूबर वायदा इस सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस सप्ताह हल्दी के भाव में 0.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि एक महीने की अवधि में इसका भाव 4 प्रतिशत तक लुढ़क गया है। जानकारों का कहना है कि हल्दी की मांग में फिलहाल गिरावट आई है, वहीं हल्दी की आवक बढ़ने की वजह से भी बाजार में इसकी कीमत पर दबाव बन गया है। इसके साथ ही हल्दी की बुवाई का रकबा बढ़ने और इसके एक्सपोर्ट में कमी आने से भी बाजार में दबाव की स्थिति बनी है। हालांकि ठंड की शुरुआत के साथ ही हल्दी की मांग में भी तेजी आने की उम्मीद है, जिससे इसकी कीमत में भी जल्दी ही तेजी आ सकती है।

हल्दी की तरह ही धनिया में भी फिलहाल कमजोरी नजर आ रही है। पिछले 1 हफ्ते के दौरान धनिया की कीमत में 1 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। हालांकि मासिक आधार पर देखें तो धनिया के भाव अभी 7 प्रतिशत चढ़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि सितंबर के महीने में धनिया पिछले 9 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया था। इसलिए फिलहाल उसकी कीमत में करेक्शन हो रहा है। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में डेढ़ से दो प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

ज्यादातर मसालों की तरह ही कमोडिटी मार्केट में रबर के भाव पर भी दबाव बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर की कीमत 7 साल के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने के बाद फिसल गई है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर 214 डॉलर प्रति किलो के स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। इस संबंध में वेंकटेश्वर रबर एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर जीवी सुरेश का कहना है कि घरेलू बाजार में रबर की सप्लाई में लगातार कमी बनी हुई है, जबकि डिमांड अपने सर्वोच्च स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर की कीमत में आई गिरावट की वजह से इसकी कीमत में मामूली गिरावट जरूर आई है, लेकिन घरेलू मांग में तेजी आने के कारण अब इसमें और गिरावट आने की उम्मीद नहीं है।

ओपन एंडेड इक्विटी म्यूचल फंड्स के निवेश में आई गिरावट, एसआईपी के एयूएम में रिकॉर्ड तेजी

नई दिल्ली।

इक्विटी म्युचुअल फंड्स में निवेश के लिहाज से सितंबर लो परफॉर्मेंस वाला महीना बन गया। इस महीने ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड में हुए निवेश में करीब 10 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। सितंबर में ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कुल 34,419 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अगस्त की तुलना में करीब 10 प्रतिशत कम है। ये जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई है।

आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में शेयर बाजार में तेजी आने के बावजूद इक्विटी फंड्स में निवेश में कमी आ गई। सितंबर के महीने में स्टॉक मार्केट में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। इस अवधि में सेंसेक्स 2.4 प्रतिशत उछल गया था, जबकि निफ्टी ने 2.3 प्रतिशत की मजबूती दिखाई थी। जुलाई के बाद सितंबर के महीने में ही शेयर बाजार के संवेदी सूचकांकों में सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई। इसके बावजूद ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाले निवेश में गिरावट आ गई।

हालांकि एएमएफआई द्वारा दिए जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड्स स्कीम्स में होने वाले निवेश में सितंबर के महीने में तेजी आई। इस दौरान एसआईपी के जरिए होने वाला मासिक निवेश 24,508.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि अगस्त के महीने में इस माध्यम से म्युचुअल फंड्स में 23,547.34 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

आंकड़ों के अनुसार सितंबर के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी बढ़ कर 13.82 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके पहले अगस्त के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट 13.39 लाख करोड़ रुपये था। सितंबर के महीने में म्युचुअल फंड्स के यूनिक इन्वेस्टर्स की संख्या भी 5.01 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जबकि इन्वेस्टमेंट फोलियो की संख्या 21 करोड़ के स्तर को पार कर गई। ये अभी तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली।
इजरायल-ईरान में हिंसक संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.18 डॉलर यानी 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 79.22 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.12 डॉलर यानी 0.16 फीसदी फिसलकर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट लगातार जारी है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। महानवमी के दिन देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये से लेकर 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,390 रुपये से लेकर 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी 93,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने की वजह से सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिका में थोक महंगाई के आंकड़े आने के पहले पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते नजर आए। इस वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों पर दबाव की स्थिति बन गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,780.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.05 प्रतिशत लुढ़क कर 18,282.05 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,438.06 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत लुढ़क कर 8,237.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,541.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,210.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 1 सूचकांक गिरावट का शिकार हो गया है। हांगकांग में बाजार बंद होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। एशियाई बाजारों में से इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स मुनाफा वसूली का शिकार होकर लाल निशान में पहुंच गया है। फिलहाल ये सूचकांक 1.62 प्रतिशत टूट कर 3,249.21 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,117 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 3,586.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है।

फिलहाल ये सूचकांक 279.65 अंक यानी 1.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,938.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 255.93 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,636.82 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,607.85 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,478.92 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.83 प्रतिशत मजबूत होकर 7,542.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017